nt>

12.05 hrs.

Title: Regarding situation arising out of increase in the prices of fertilizers and diesel in the Budget thus adversely affecting the farmers.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, I want to regulate 'Zero Hour' also in the most disciplined manner. I am sure that if you cooperate, every hon. Member who has asked for priority, will be given; and all issues can be taken up. This is my request. I will take up one issue after another. Every hon. Member will be allowed to speak only for two minutes, and nothing beyond two minutes. When one hon. Member is allowed to speak, the other hon. Members will be allowed to associate. I am not going to allow debates on the issues. Therefore, please cooperate; let me go as per the list before me. Leaders will always be given priority. This is the procedure. The leaders will get the priority automatically. Let me start with the list. The first subject is to be raised by Shri Ramji Lal Suman.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हम आपका आभार प्रकट करते हैं, वैसे तो जब बजट पर सम्पूर्ण चर्चा होगी, तब हम बोलते, लेकिन प्र ास्तुत बजट की वजह से खाद और डीजल के दाम बढ़े हैं, जिस पर पूरे देश के किसानों में भयंकर प्रतिक्रिया हुई है।

यूरिया के 50 रुपए वाले बैग पर 12 रुपए, डी.ए.पी. बैग पर 10 रुपए दाम बढ़े हैं। पोटाश के दाम भी बढ़े हैं। इसी वित्तीय वर्ा में डीजल के दाम 25 परसैंट बढ़े हैं। जिस दिन बजट में डीजल के दामों के बढ़ने की घोाणा हुई, उस समय दिल्ली में डीजल के दाम 21 रुपए 21 पैसे प्रति-लीटर, मुम्बई में मध्य रात्रि को एक रुपए 63 पैसे प्र ति-लीटर, बढ गये कोलकाता में 22 रुपए 60 पैसे यानी 1.37 रुपए की वृद्धि हो गई, चेन्नई में डेढ़ रुपए प्रति-लीटर डीजल के दाम बढ़ गए और व 23 रुपए 28 पैसे हो गए। इस तरह से कम से 500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार किसानों पर पड़ा है। खाद और डीजल के दाम बढ़े हैं। एक तो वैसे ही किसान बाढ़ और सूखे से प्र ाभावित था। इसके बाद किसान पर अतिरिक्त भार डालना मैं समझता हूं कि किसी भी कीमत में न्यायसंगत नहीं है। किसानों के उत्पादों के मूल्य बढ़ नहीं रहे हैं। अभी आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने खरीफ की फसलों के मूल्य तय किए हैं लेकिन उसने गेहूं और जौ के दाम नहीं बढ़ाए हैं। यह बहुत गम्भीर मामला है। न केवल समाजवादी पार्टी, कांग्रेस पार्टी, वामपंथी पार्टी के लोगों ने बल्कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री वेंकैय्यानायडू, तेलुगू देशम के श्री येरननायडू, समता पार्टी, शिव सेना, कृ मंत्री श्री अजित सिंह, खाद्य मंत्री श्री शरद यादव, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री कुमारी जयललिता, पूर्व मुख्यमंत्री श्री करुणानिधि आदि सब ने भारत सरकार से अनुरोध किया है â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः सभी का नाम लेने की जरूरत नहीं है। सब को मालूम है।

श्री रामजीलाल सुमन : उन्होंने अनुरोध किया है कि डीजल के दामों में जो वृद्धि की गई है, वह जल्दी खत्म की जाए और खाद के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस लिए जाएं। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री का बयान कल समाचार पत्रों में प्रमुखता के साथ यह छपा है कि किसी भी कीमत पर खाद के बढ़े हुए दाम वह वापस लेने के लिए तैयार नहीं हैं। उनके इस बयान को लेकर भयंकर प्रतिक्रिया किसानों के बीच हुई है।

अध्यक्ष महोदयः रामजीलाल सुमन जी, मैं दो मिनट से ज्यादा नहीं दूंगा। प्लीज बैठिए।

श्री रामजीलाल सुमन : भारत सरकार ने यदि खाद और डीजल के बढ़े दाम नहीं घटाए तो चप्पे-चप्पे पर लड़ाई होगी, किसान लड़ाई लड़ेंगे, संसद में लड़ाई होगी और संसद के बाहर लड़ाई होगी। इसलिए हम आपका संरक्षण चाहते हैं।

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Sir, we are all associating with it....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः इस विाय में मेरे पास चार नोटिस है - श्री रघुनाथ झा, श्री रघुवंश प्रसाद सिंह और जगमीत सिंह बराड़ का भी नोटिस है। मैं नॉर्मल कोर्स में सब को एसोसिएट करने के लिए कहता हूं लेकिन यह विाय महत्वपूर्ण है इसलिए दो-दो मिनट तीनों मैम्बर्स को दूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आप बैठिए। जब बजट पर चर्चा होगी, आप उस समय भी इस विाय पर बोल सकते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैं बोल रहा हूं तो कम से कम आप सुनिए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : वित्त मंत्री का अखबारों में यह बयान आया है कि वह किसी कीमत पर खाद के बढ़े दाम वापस नहीं लेंगे। इसे लेकर गम्भीर प्रतिक्रिया हुई है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः किसानों के विाय में इस सदन में चर्चा भी होने वाली है लेकिन फिर भी मैंने दो-दो मिनट बोलने का समय दिया है।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, यह एक गम्भीर मामला है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः श्री रामजीलाल सुमन, मैंने आपको बोलने का समय दिया है। आप जरा कोआपरेट कीजिए। सभी को बोलने का चांस मिलेगा। मैं सभी के नोटिस लेना चाहता हूं लेकिन आपके सहयोगी सुनते नहीं हैं।

श्री जे.एस.बराड़ : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी की ओर से और देश के करोड़ों-करोड़ किसानों की तरफ से मैं अपनी बात कहने जा रहा हूं। रासायनिक खाद और डीजल की बढ़ायी गई कीमतों को लेकर विशेा कर उन राज्यों में बहुत भयंकर प्रतिक्रिया हुई है जो देश में हरा इनकलाब लेकर आए। आज जब आड़े वक्त में किसान सूखे और बाढ़ से पीड़ित हैं और किसान खुदकुशी के लिए मजबूर हैं, ऐसे मौके पर इकोनमिक सर्वे की जो रिपोर्ट है the agricultural growth has come down from 4.9 per cent to 2.5 per cent, किसान का इतना बड़ा गला घोंटना ठीक नहीं है। मैं ये सब देखकर हैरान हूं। कृाि मंत्री यहां विराजमान हैं। मैं कहना चाहूंगा कि यह अजीब किस्म का बजट है। एअरकंडिशनर्स, मोबाइल फोन, कारें, कम्प्यूटर सस्ते कर दिए गए हैं लेकिन जो रोजमर्रा की चीजें हैं,

जिस प्रकार से इन्होंने लग्जरी आइटम्स सस्ती कर दी, कार पर टैक्स कम कर दिया लेकिन किसानों के लिये, उनके क्रेडिट के लिये कुछ नहीं हो रहा है।

ऑनरेबल स्पीकर साहब, मैं कांग्रेस पार्टी की तरफ से मांग करता हूं कि फर्टिलाइजर, डीजल के दाम बढ़ाये गये हैं, उन्हें वापस लिया जाये वरना एक बहुत बड़ा इनकलाब आयेगा, जैसा बॉर्डर पर हुआ है। मैं तो यह कहूंगा कि आने वाले दिनों में यह खतरे की घंटी है। इसलिये ये बढ़े हुये दाम वापस लिये जायें।

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : अध्यक्ष महोदय, अभी सदन में श्री सुमन, श्री बराड़ साहब ने जो कुछ कहा और सरकार ने किसानों पर कुठाराघात करने का काम किया है, मैं और हमारी पार्टी खुल्लमखुला इसका विरोध करती हैâ€¦ (व्यवधान) मुझे बोलने दीजिये।

अध्यक्ष महोदय : आप लोग इन्हें बोलने दीजिये। झा जी, आप चेयर को अड्रैस करके कहिये।

श्री रघुनाथ झा : आप लोग मुझे अपनी बात कहने दीजिये। अध्यक्ष महोदय, इस बजट से बड़े घरानों को लाभ हुआ है लेकिन हमारा प्रदेश बिहार न केवल बाढ़ से बल्कि सुखाड़ से बुरी तरह प्रभावित है। किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। गन्ना किसानों की हालत बहुत ही खराब है। इस सरकार ने इन सारे मुद्दों के बा वजूद किसानों पर भार बढ़ाकर इतना बड़ा जुल्म किया है। इसकी कोई इनतहा नहीं है। हम चाहते हैं कि माननीय वित्त मंत्री सदन में अविलम्ब आकर इस बात की घोाणा करें। अगर खाद व डीजल के दामों को वापस नहीं किया गया तो किसानों पर बहुत बड़ी प्रतिक्रिया होगी। इसलिये हम इस मूल्य वृद्धि का घोर विरोध करते हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान का किसान तबाह है। वह बाढ़ से तबाह है, सुखाड़ से तबाह है और इस सरकार से तबाह है। इस बजट में डीज़ल और खाद के मूल्यों में जो वृद्धि की गई है और हर महीने डीजल के मूल्यों में बार बार वृद्धि होती रहती है , उससे किसान तबाह है। जब हम लोगों ने यह सवाल उठाया तो माननीय वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार मूल्य वृद्धि वापस नहीं करेंगी, किसानों द्वारा इस्तेमाल की जा रही खाद और डीजल के मूल्य नहीं घटायेंगे, इससे देश के किसानों में गहरा रोा है। देश के तमाम किसान मायूस हो रहे हैं। इस बजट को सुनने और जानने से उन्हें लगा है कि जो बड़े आदमियों के इस्तेमाल की चीजें हैं, उनके दाम घट गये हैं। जैसा सोना, हीरे-जवाहरात के दामों में कमी आई है लेकिन किसानों के इस्तेमाल की चीजों में मूल्य वृद्धि की गई है। इसलिये मैं मांग करता हूं कि सरकार डीजल और खाद के दामों में की गई वृद्धि को वापस ले। इससे देश का किसान तबाह हुआ है। यदि इस वृद्धि को वापस नहीं लिया गया तो हम सदन को नहीं चलने देंगे। किसान उसे रोकेंगे, घेरेंगे। देश के कोने-कोने से इसका विरोध होगा और एक बड़ा आन्दोलन शुरु होगा।

अध्यक्ष महोदय : जैसा मैंने शुरु में कहा कि यह विाय बहुत ही इम्पार्टेंट है । आप लोगों ने यह विाय उठाया। इसके अलावा मेरे सामने लिस्ट में दूसरे 19 विाय हैं। मेरा कहना है कि इस विाय पर बजट में चर्चा हो सकती है और इस सदन के सामने जो दूसरे विाय हैं....।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please let me complete.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: A Special Resolution is also going to be moved on the same issue. Therefore, there is a lot of scope for the hon. Members to speak on this issue. But since four Members have given notices, I have allowed them to speak. If I open it to the entire House, I am sure that a number of Members would like to speak.

...(*Interruptions*)

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, you please allow the leaders.â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. You are aware that the Minister will not be able to say anything about the Budget provisions. The hon. Minister could only say that he has taken cognisance of this issue. What else can he say? Therefore, during the Budget discussion, you can raise this issue.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You can raise this issue during the discussion on the Budget. There is also going to be a special Resolution moved on this.

...(*Interruptions*)

श्री जे.एस.बराड़ : कृाि मंत्री सामने बैठे हैं, वे जवाब दे सकते हैं। â€¦ (व्यवधान)

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, you can allow only one minute each to leaders of all the Parties...(*Interruptions*)

श्रीमती रेणुका चौधरी (खम्मम) : यह बहुत बड़ा मुद्दा है। Sir, we have to discuss this issue threadbare. The Prime Minister's Relief Package has not been implemented...(*Interruptions*) वहां किसानों को जो लोन दिये हैं, आंध्र प्रदेश सरकार ज़ोर देकर उनसे वसूल कर रही है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रेणुका जी, आप अपनी सीट पर जाकर कहिये। Please go to your seat.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I do not think that the hon. Members are desirous of putting other issues before the House.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : You give assurance of the roll-back...(*Interruptions*)

SHRI K. YERRANNAIDU : My party is already demanding itâ€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You need not reply to her. You please address the Chair.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Renukaji, you are such a nice Member. You are co-operating with the Chair. Yes, Shri Yerrannaidu, please continue.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज़ बैठिये। Let him complete. प्लीज़ बैठिये।

...(व्यवधान)

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, agriculture is the growth engine for the economy. Indian farmers are the backbone of this country. `*The Economic Survey'* for 2003-04 says that if the Government wants to achieve a growth rate of eight per cent, then there should be more investment in the agricultural sector and we have to give a lot of boost to agricultureâ€¦ (*Interruptions*) But instead of giving a boost to agriculture, they have increased the price...(*Interruptions*)

DR. MANDA JAGANNATH (NAGAR KURNOOL): Sir, when the hon. Member is speaking, he should not be interrupted...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Dr. Jagannath, I agree with you.

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, 14 States are facing drought situation at the present moment. That is why we have requested for re-considering the roll-back of prices of fertilizer and even of diesel immediately. That is the demand of the TDP.

Sir, recently, thousands of tobacco farmers in the State of Andhra Pradesh have resorted to agitation and *rasta roko* for lack of remunerative prices to the tobacco farmers. Therefore, I would like to request the Government, through you, to give remunerative prices to the tobacco farmers. The Tobacco Board has raised a fund worth Rs. 50 crores by way of cess. Now, a market intervention scheme is necessary to give more remunerative prices to the tobacco farmers. Thousands of farmers are agitating and have resorted to *rasta roko.* Seven express trains have been stopped. So, the Government should intervene in the matter.

अध्यक्ष महोदय : प्लीज़ बैठिये। आप सब लोग बैठिये। सुनील खान जी, क्या हुआ? कुछ हुआ ही नहीं है तो क्यों खड़े रहते हैं?

...(व्यवधान)

SHRI S.S. PALANIMANICKAM (THANJAVUR): Urea is called the poor farmer's fertilizer. Farmers were expecting more from this Budget. As per the hon. Speaker's direction, while we were expecting a reply from the Finance Minister after the discussion on the General Budget, yesterday we saw in the newspapers our hon. Finance Minister's statement that he is not going to withdraw the fertilizer price increase. That is why, even though we are partners of this Government, we want to raise this issue in the House. Farmers are already bearing the burden of drought and other problems. So, they want immediate withdrawal of the rise in fertilizer price. On behalf of my Party, DMK, I urge upon the Finance Minister to roll back the hike in the price of fertilizer.

â€¦(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश के 75 प्रतिशत लोग आज खेती और कृषि पर निर्भर करते हैं। क्या कारण है कि समूचे देश में सभी मोर्चों पर सरकार विफल हो रही है और केवल किसानों के मोर्चे पर, जहां अन्न का भंडार भरा है, वहां केवल किसानों पर ही उर्वरक और डीजल के दाम बढ़ाकर किसान की कमर को तोड़ने का काम सरकार द्वारा किया गया है ? â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, हमारे देश के 75 प्रतिशत लोग आज भी खेती पर निर्भर करते हैं, लेकिन किसानों की कोई परवाह न कर किसानों के काम आने वाले उर्वरक एवं डीजल के दाम बढ़ा दिए गए हैं जिससे किसानों में बहुत रोा है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उर्वरक एवं डीजल के बढ़े हुए दामों को वापस लेना चाहिए। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जब तक इन बढ़े हुए दामों को वापस नहीं लिया जाएगा तब तक हमारा विरोध जारी रहेगा। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, सरकार के घटक दलों की भावनाओं को आपने सदन में देखा है और सरकार भी जानती है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि सरकार को घटक दलों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए उर्वरक और डीजल पर बढ़े हुए दामों को वापस लेने के मुद्दे पर पुनर्विचार करना चाहिए और दामों को वापस लेने हेतु सदन में प्रस्ताव लाना चाहिए और इन बढ़े हुए दामों को तुरन्त वापस लिया जाना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): These Members are all partners of the NDA Government and still they are speaking against the Government. Why do they shout here? They are peculiar allies. They only shout here and then settle with the Prime Minister. ...(*Interruptions*)

श्री सुन्दर लाल तिवारी (रीवा) : अध्यक्ष महोदय, मेरा आग्रह है कि आपके नेतृत्व में सभी पार्टियों के नेताओं की एक बैठक बुलाई जाए और किसानों के ऊपर जिस प्रकार से खाद एवं डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं, उन्हें वापस लेने के लिए सरकार को बाध्य किया चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : I would like to make an appeal to you. The entire problem will be solved if only they are sincere to the cause.

SHRI K. YERRANNAIDU : We are very very sincere.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Let them withdraw their support to the Government. Let them say either the Government should withdraw the rise in fertilizer price, otherwise they will withdraw their support to the Government. Let them say that.

SHRI K. YERRANNAIDU : That is not the solution.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Let them withdraw their support, if the Government does not withdraw this measure.

MR. SPEAKER: You are the leader of your Party. How can you do this?

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, जितने भी एन.डी.ए. सरकार के सहयोगी दल हैं और जो सरकार द्वारा खाद एवं डीजल के दाम बढ़ाने का विरोध कर रहे हैं और सरकार से कह रहे हैं कि उसे इन बढ़े हुए दामों को शीघ्र वापस लेना चाहिए और सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है, उनसे मेरा आग्रह है कि वे वित्त-विधेयक को पारित करते समय उसके विरोध में मतदान करें ताकि सरकार को अहसास हो और सरकार इन बढ़े हुए दामों को वापस लेने पर विवश हो जाए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरा आप सभी से निवेदन है कि आप बैठ जाएं। मैंने श्री चन्द्रकान्त खैरे को बोलने के लिए अनुमति प्रदान की है। आप लोग जनता के प्रश्नों को जीरे-आवर में उठाना चाहते हैं या नहीं। जीरो-आवर जनता के अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रश्नों को उठाने के लिए है। रघुनाथ झा जी, आप भी बैठिए। मेरा सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना-अपना स्थान ग्रहण करें। खैरे जी आप अपना भाग प्रारम्भ करें और मुझे संबोधित कर के बोलें।

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : दासमुंशी जी, मुझे अध्यक्ष महोदय ने अपनी बात कहने की इजाजत दी है। जब मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं, तो आपको बैठना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री खैरे जी, आप अध्यक्ष को संबोधित कर के बोलिए।

श्री चन्द्रकांत खैरे : अध्यक्ष महोदय, किसानों के प्रयोग में आने वाली चीजों खाद एवं डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। इस विाय में हम उनके साथ हैं कि किसानों की इन दोनों चीजों के दाम सरकार को नहीं बढ़ाने चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Other than whatever Shri Khaire says will not go on record.

श्री चन्द्रकांत खैरे : अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के किसानों के उपयोग की चीजें जो वे खेती में इस्तेमाल करते हैं जैसे खाद, डीजल और मिट्टी का तेल इनके दाम बढ़ा दिए गए हैं। देश के 75 प्रतिशत किसानों पर इससे बोझ बढ़ा दिया गया है।â€¦ (व्यवधान)

इनके लिए हमारी एनडीए की सरकार ने बहुत अच्छा बजट दिया है। वित्त मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि अगर किसानों को थोड़ी राहत दी जाए तो एनडीए की सरकार के बारे में कुछ गलतफहमी नहीं रहेगी। यहां वित्त राज्य मंत्री जी बैठे हैं, मैं इनसे विनती करूंगा कि किसानों के बारे में आप थोड़ी राहत दीजिए। मिट्टी का तेल और डीजल के बारे में भी राहत देनी चाहिए, यह शिवसेना की मांग है।â€¦ (व्यवधान) आप हमें सिखाइए मत।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : खैरे जी, अब आप बैठ जाइए।

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Mr. Speaker, Sir, farmers are reeling under drought and flood and they are committing suicide. â€¦ (*Interruptions*) They are not getting remunerative prices. ...(*Interruptions*) At such a time, this Government has declared a war against the farmers of the country. ...(*Interruptions*) It is a strange spectacle that partners of this Government are speaking in one voice here, demanding withdrawal of the increase, but their Finance Minister is saying outside that he will not withdraw it....(*Interruptions*)

इन्हें नाटक नहीं करना चाहिए, ये नाटक कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान) नाटक चल रहा है।â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : मैं आपका आदर करता हूं, लेकिन आप यह गलत बोल रहे हैं कि हम नाटक कर रहे हैं।

SHRI S. PALANIMANICKAM : On this particular issue, all the allies are speaking in one voice. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Palanimanickam, please sit down.

...(*Interruptions*)

श्री चन्द्रकांत खैरे : अध्यक्ष महोदय, ये फार्मर्स का विाय है।â€¦ (व्यवधान) महोदय, कांग्रेस के माननीय सदस्य राजनीति खेल रहे हैं।â€¦ (व्यवधान) किसानों के बारे में कांग्रेस के माननीय सदस्य राजनीति खेल रहे हैं, इनके मन में किसानों के प्रति कोई आस्था नहीं है।

MR. SPEAKER: Shri Janardhana Reddy may speak now. He is the former Chief Minister.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let me listen to a senior Member.

...(*Interruptions*)

SHRI N. JANARDHANA REDDY (NARASARAOPET): Sir, I am a disciplined Member. I am waiting for my chance.

The country is passing through unprecedented drought. Everybody knows that. The farmer who is giving food to others is now begging for food. When such is the situation, the Government has presented a worst Budget and a shameful Budget to the farmer. Even the Minister of Agriculture has gone on record saying that this increase in the price of fertiliser is unjustified. Shri Yerrannaidu, who is supporting the Government with 29 Members of his Party has also gone on record saying the same thing. But unfortunately, they tell something and vote for something else. ...(*Interruptions*)

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, voting is not a solution for every problem. ...(*Interruptions*)

SHRI N. JANARDHANA REDDY : Similarly, Shri Palanimanickam also opposed this increase. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Dasmunsi, I want to go to your subject now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Pandian may please speak now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shrimati Renuka Chowdhury, no walk out on this issue.

...(*Interruptions*)

SHRI N. JANARDHANA REDDY : This has become the practice of this NDA Government to increase the price and give BJP a chance to represent and roll back. ...(*Interruptions*)

SHRI P.H. PANDIAN: On behalf of my Party, we support the farmers. Farmers are the backbone of the Indian economy. Farmers are producing food. In that, the essential raw material for the farmer is fertiliser. Without manure, he will not be able to cultivate. About two years back, the same issue was raised when the same kind of hike was given effect to. After a heated argument and after a heated debate in this House, it was rolled back. The farmers are unorganised. Even in villages and districts the farmers are unorganised.

I would like to submit that we have to extend an organised parliamentary support to the farmers who are unorganised. So, I would appeal to all the Members and also the Government to come to the rescue of the farmers and reduce the hike in fertiliser price. ...(*Interruptions*) The fertiliser price hike will seriously affect farmers and if the hike is not rolled back, they will lose interest in farming. So, to promote farming and to produce more foodgrains, we have to support the farmers. My party is supporting the farmers.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, कृाि मंत्री यहां बैठे हुए हैं, कृाि मंत्री ने खुद इसका विरोध किया है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am asking the Minister to reply.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Minister, would you like to say something?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप खुद कुछ नहीं सुनेंगे और उनका विरोध करेंगे।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Mr. Speaker, Sir, we are walking out in protest of the hike in the price of fertilisers.

12.31 hrs.

(At this stage, Shri Priya Ranjan Dasmunsi and some other

hon. Members left the House.)

...(*Interruptions*)

श्री चन्द्रकांत खैरे : किसानों के प्रति इनकी कोई आस्था नहीं है, इनकी नकली आस्था है। ये किसानों के साथ राजनीति कर रहे हैं, और ये कुछ नहीं करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती रेणुका चौधरी : किसानों के बारे में आप क्या जानते हैं?â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : हम यहां किसानों के कारण ही बैठे हुए हैं।â€¦ (व्यवधान)

SHRI K. YERRANNAIDU : Mr. Speaker, Sir, the Congress Party need not teach any lessons to all of us. We are not walking out. All the allied parties are united on the issue of the hike in fertiliser price. We are putting pressure on the Government and we are demanding the Government to roll back the increase in the price of fertilisers.
...(*Interruptions*)

SHRI P.H. PANDIAN : Mr. Speaker, Sir, we want to sit inside Parliament and debate this issue. The hike in the price of fertilisers should be rolled back. We have a definite stand on this issue. The interests of the farmers should be protected. My leader, the Chief Minister of Tamil Nadu said that the increase in the price of fertilisers should be rolled back. We have to support the farmers and without them we cannot have enough foodgrains in the country. If they do not produce foodgrains, there will not be any existence of human life in the country. So, on behalf of AIADMK, we appeal to the Government to roll back the hike in fertiliser price, as they had done two years back.